पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2018-20 प्रकाशित:16.03.2020 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

।। ओ३म् ।।

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जम्मू कश्मीर

आर्य युवा निर्माण शिविर

रविवार, 14 जून से रविवार, 21 जून 2020 तक
आर्य समाज,जानीपुर कालोनी,जम्मू
में आयोजित किया जा रहा है।
इच्छुक सम्पर्क करें
—सुभाष बब्बर,प्रान्तीय अध्यक्ष,
फोन: 9419301915

वर्ष-36 अंक-20 चैत्र-2076 दयानन्दाब्द 197 16 मार्च से 31 मार्च 2020 (द्वितीय अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 16.03.2020, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

जहां नहीं होता कभी विश्राम ओ३म् आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् प्रस्तुत करता है

शहीद भगतसिंह, राजगुरू, सुखदेव के 89वें बलिदान दिवस के उपलक्ष्य में संगीत संध्या

एक शाम शहीदों के नाम

सोमवार, 23 मार्च 2020, सायं 5.00 से 7.30 बजे तक

स्थान:आर्य समाज रमश नगर, ब्लाक-9, दिल्ली (निकट मैट्रो स्टेशन कीर्ति नगर)

गायक कलाकार : श्री नरेन्द्र आर्य 'सुमन' प्रवीन आर्या

विशिष्ट अतिथि : श्री सुभाष सचदेवा (पूर्व विधायक), श्री सुभाष आर्य (पूर्व महापौर), श्रीमती वीना विरमानी (पार्षद)

अध्यक्षता : श्री नरेश विग (प्रधान, आर्य समाज रमेश नगर, दिल्ली)

गरिमामय उपस्थिति: सर्वश्री आनन्द चौहान, विपिन मल्होत्रा (पार्षद), गुलशन विरमानी, यशपाल आर्य, दर्शन अग्निहोत्री, ठाकुर विक्रम सिंह, शिवभगवान लाहोटी, सुरेन्द्र बुद्धिराजा, इन्द्रजीत महाजन, सत्यानन्द आर्य, देवेन्द्र अरोड़ा, सुशील बाली, डॉ. विपिन खेड़ा, सुरेन्द्र मानकटाला, राजीव परम, सुरेन्द्र कोहली,सती राम (BTW), मदन खुराना, भारतभूषण धूपड़, सुनील गुप्ता, गायत्री मीना, माता शीला ग्रोवर, संजीव सेठी, डॉ. विनोद खेत्रपाल, अशोक आर्य, इन्द्रजीत सरना, संजीव आर्य, वेदप्रकाश पुष्पलता वर्मा, उर्मिला-राजीव आर्य, सुनीता-वीरेश बुग्गा, सुषमा-विजय पाहुजा, अनिता-राजीवकांत, अमरसिंह सहरावत, जगदीश मलिक, अजय तनेजा, मायाराम शास्त्री, दिनेश आर्य

आमंत्रित आर्य नेता: सर्वश्री गवेन्द्र शास्त्री, रमेश कुमारी भारद्वाज, रत्नाकर बत्रा, विजय भास्कर, अमरनाथ बत्रा, नरेन्द्र वलेचा, आदर्श आहूजा,प्रदीप गोगिया, अन्जू जावा, अमीरचन्द रखेजा, डॉ. धर्मवीर आर्य, ओमप्रकाश गुप्ता,धर्मपाल परमार, विनोद कालरा, नरेन्द्र कस्तुरिया, सोहनलाल मुखी, देवमित्र आर्य, कृष्णा सपरा, विनोद गुप्ता, व्रतपाल भगत, सोहनलाल आर्य, विकास गोगिया, ओमप्रकाश पाण्डेय, राजेश मेहन्दीरत्ता, सुरेन्द्र शास्त्री, सुदेश डोगरा, प्रेमकुमार सचदेवा,जीवन लाल आर्य, राजरानी अग्रवाल, आदर्श सहगल, अशोक सहगल, प्रकाशचन्द आर्य, राजेश जुनेजा, अशोक कथुरिया, उपेन्द्रनाथ तलवार, मनोज मान, धर्मदेव खुराना, करूणा– तिलक चांदना, नरेन्द्र कालड़ा, तृप्ता–एस.के. आहुजा, एस.पी. डुडेजा, ओमप्रकाश नागिया, लक्ष्मणदेव छाबड़ा, सुरेश टंडन, सुरेन्द्र कोछड़, राकेश आर्य, ईश्वर चन्द खन्ना, अनिल आर्य, मनी चड्डा, ओमप्रकाश अरोड़ा, आर.के. दुआ, सुनीता पासी, महावीरसिंह आर्य, हरीश कालड़ा, ज्योति ओबराय, कै. अशोक गुलाटी, के.एल. राणा, ओमवीरसिंह आर्य, जगदीश गुलाटी, डॉ. मुकेश सुधीर, जगवीर सिंह आर्य, हंसराज आर्य, जीवन प्रकाश शास्त्री, प्रेमकान्त बत्रा, अन्नु चौहान, संतोष शास्त्री, वीरेश आर्य, गोपाल आर्य, नेत्रपाल आर्य, वीरेन्द्र आहूजा, सोमनाथ पुरी, मैथिली शर्मा, आनन्द प्रकाश गुप्ता, अमित मान, भोपाल सिंह आर्य, चन्द्रमोहन खन्ना, दिनेश सिंह आर्य, कस्तूरी लाल मक्कड़, ईश कुमार गक्खड़, सुभाष मित्तल, सुनील सहगल, प्रेम छाबड़ा, महेश भयाना, उर्मिला–महेन्द्र मनचन्दा, निर्मल जावा, नरेन्द्र अरोड़ा, मीना आर्या, कविता आर्या, उषा आहुजा, कमल मोंगा, प्रभा आर्या, जगदीश शरण आर्य, महेन्द्र टांक, रेखा शर्मा, ओमप्रकाश मनचन्दा, अरूण आर्य, अर्चना पुष्करना, सिकन्दर अरोड़ा, पं. सुरेश झा, अखिलेश शर्मा, राजपाल पुलियानी।

शहीद भगतसिंह स्मृति सम्मान

श्री सत्यपाल नारंग
श्री राजेन्द्र लाम्बा
श्री हीरा लाल चावला
श्री ओम सपरा
श्री रवि चड्डा
श्री आर.पी. सूरी

ऋषि लंगर रात्रि : 7:30 बजे, प्रबन्धक:– नरेन्द्र ढींगरा, वेद प्रकाश चोपड़ा, अरूण जोशी, विश्वनाथ आर्य

आप सपरिवार इष्ट मित्रों सहित सादर आमन्त्रित हैं

दर्शनाभिलाषी

अनिल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष

रामकुमार सिंह
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

सुरेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री

महेन्द्र भाई
राष्ट्रीय महामंत्री

दुर्गेश आर्य
राष्ट्रीय मंत्री

धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

यशोवीर आर्य
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

देवेन्द्र भगत
प्रेस सचिव

राकेश भटनागर
राष्ट्रीय मन्त्री

वेद प्रकाश आर्य
स्वागत अध्यक्ष

प्रवीन आर्य
राष्ट्रीय मन्त्री

सावित्री खेड़ा – ऋतु गुलाटी
प्रधाना–मंत्रिणी स्त्री आर्य समाज

ईश कुमारी – रिंकी कुमरा
कोषाध्यक्ष – प्रधानाचार्या

सौरभ गुप्ता, अरूण आर्य,गौरव सिंह, राकेश, केशव, गौरव झा
प्रबंधक गण

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली-110007, मो. 9810117464, 9958889970, 9871581398

आगामी 13 अप्रैल, 2020 को वैसाखी पर्व पर

वैसाखी पर्व जलियांवाला-बाग नरसंहार की घटना का स्मरण कराता है

—मनमोहन कुमार आर्य, देहरादून

आर्यों को परमात्मा ने सृष्टि के आरम्भ में चार वेदों का ज्ञान दिया था। अमैथुनी सृष्टि में उत्पन्न चार ऋषि व स्त्री—पुरुष विश्व के सभी मनुष्यों व मत—मतान्तरों के आचार्यों व अनुयायियों के पूर्वज थे जिन्हें अधिकांश मत व विश्व के लोग विस्मृत कर चुके हैं। वेद व ऋषियों से ही हमें काल गणना करने के लिये बारह महीने मिले हैं जिनका आरम्भ चौत्र शुक्ल पक्ष से तथा समाप्ति चौत्र कृष्ण पक्ष की अमावस्या को होती है। वैसाख चौत्र के बाद दूसरा महीना होता है। यूं तो सृष्टि में ईश्वर के बनाये प्रत्येक दिन व प्रत्येक क्षण का महत्व है परन्तु कुछ दिन व घटनायें अविस्मरणीय होती हैं। इनको स्मरण कर इनसे शिक्षा लेने से हम भविष्य में उस प्रकार की दुर्घटनाओं से बच सकते हैं। उनकी अवहेलना करना व उन पर उचित ध्यान न देना वैसी दुर्घटनाओं व उससे भी बड़ी विडम्बनाओं को आमंत्रित करना होता है। वैसाख के महीने में ऋतु वा मौसम अच्छा व सुहावना होता है। इस महीने में न शीत होता है और न ही अधिक ग्रीष्म का प्रभाव। यह ऋतु स्वास्थ्य की उन्नति के लिये भी अच्छी मानी जा सकती है। इसमें हम अपने धार्मिक व सामाजिक कर्तव्यों की पूर्ति कर अपने शुभ कर्मों से भावी प्रारब्ध का निर्माण कर सकते हैं।

ऋषि दयानन्द के जीवन पर दृष्टि डालते हैं तो उन्होंने शिवरात्रि के व्रत के दिन बोध होने पर अपने जीवन का एक—एक क्षण अपने जीवन के उद्देश्य को जानने व लक्ष्य की प्राप्ति पर केन्द्रित रखा और अन्ततः उसे प्राप्त किया। उन्होंने न केवल अपने जीवन का ही कल्याण किया अपितु सृष्टि के प्रत्येक मनुष्य के जीवन व आत्मा को ईश्वर से मिलाने, उन्हें आत्म—साक्षात्कार और ईश्वर—साक्षात्कार कराने का प्रयत्न किया। उन्हीं की कृपा व दया से आज वैदिक धर्म एवं संस्कृति रक्षित है। यदि वह न आते और वेद धर्म एवं संस्कृति की रक्षा के उपाय न करते, वेद प्रचार व सत्यार्थप्रकाश आदि ग्रन्थों की रचना सहित विपक्षियों से शास्त्रार्थएवं आर्यसमाज की स्थापना न करते तो ईश्वर द्वारा सृष्टि के आरम्भ में हमारे पूर्वज ऋषियों को प्रदान किया हुआ हमारा प्रिय अमूल्य वेदज्ञान हमें सुलभ न हो पाता। हम विचार करते हैं तो पाते हैं कि महाभारत के बाद तथा ऋषि दयानन्द द्वारा वेद प्रचार आरम्भ करने के बीच के समय में सारा विश्व वेदज्ञान सहित ईश्वर व जीवात्मा के यथार्थ ज्ञान से प्रायः अपरिवित व अनभिज्ञ था। ऋषि दयानन्द की कृपा से उनके समकालीन लोगों को वेद ज्ञान व सत्यधर्म का ज्ञान प्राप्त हुआ और उसके बाद उनके शिष्यों के पुरुषार्थ, प्रचार व ग्रन्थ लेखन से पूरे देश व विश्व के लोग लाभान्वित हुए। जो लोग वेद से अनभिज्ञ हैं यह उनका दुर्भाग्य है। यदि वह पुरुषार्थ करें तो वह वेदज्ञान को प्राप्त हो सकते हैं। वेदज्ञान को जानने व प्राप्त करने का मुख्य उपाय सत्यार्थप्रकाश का अध्ययन है जो आज विश्व की अनेक भाषाओं में उपलब्ध होता है। इस ग्रन्थ को हम पीडीएफ द्वारा भी देश देशान्तर में प्रेषित कर सकते हैं। हम समझते हैं कि यह ऋषि दयानन्द की अपनी देन तो है ही, इसके साथ ही यह ईश्वर की भी सभी मनुष्यों को महती कृपा है। आश्चर्य है कि लोग सुख भोग व लोभों में डूबे व फंसे हुए हैं और वेदज्ञान की उपेक्षा कर अपने जन्म व मरण तथा भविष्य को बिगाड़ रहे हैं।

बैसाखी का माह रबी की फसल की कटाई का होता है। किसान अपने खेतों में फसल की कटाई करते हैं और फसल यदि अच्छी होती है तो वह अपने व्यवहार से प्रसन्नता व्यक्त करते हैं। पर्व मनाने का कारण ईश्वर का धन्यवाद करने के साथ सुख व समृद्धि की प्राप्ति होता है। अन्न की प्राप्ति से अपनी प्रसन्नता को प्रकट करने के लिये ही वैशाखी पर्व पर किसान व अन्य सभी लोग नाना प्रकार के उत्सव करते हैं जिनमें से होली भी एक पर्व है। मध्यकाल में वैदिक धर्म की श्रेष्ठ परम्परायें विकृतियों को प्राप्त हुईं थी। ऐसे समय में हिन्दू जनता इस पर्व को गंगा स्नान आदि के रूप में मनाने लगी। हरिद्वार मध्यकाल में धर्म की नगरी रही है। यहां लोग आश्रमों में विद्वानों के दर्शन करने आते थे। इसी कारण से इसे तीर्थ कहा जाता था। कालान्तर में यहां विद्वान समाप्त हो गये और इस नगरी ने एक पौराणिक नगरी का रूप ले लिया जो आज भी यथावत है। अतः वैशाखी पर्व का सम्बन्ध रबी की फसल व इसकी कटाई से होने के साथ इसके माध्यम से किसान अपनी प्रसन्नता को उत्सव के रूप में अभिव्यक्त करते हैं। हमारा देश व इसका क्षेत्र अत्यन्त विस्तृत हैं। इसकी जनसंख्या भी विश्व में सर्वाधिक है व होने को है। यह पर्व वैशाख महीने में 13 व 14 अप्रैल को मनाया जाता है। वैशाखी का दिन अनेक राज्यों में नववर्ष के रूप में भी प्रचलित है। इसे देश के अन्य भागों में पोहेला बोशाख, बोहाग बिहू, विशु, पुथंडु आदि अनेक नामों से मनाया जाता है। वैसाखी 13 अप्रैल, 1699 के दिन सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। अतः यह पर्व सिख मत का स्थापना दिवस भी है। पंजाब में इस अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं और सरकारी अवकाश रखा जाता है।

सृष्टि में हम देखते हैं कि अन्धकार के बाद प्रकाश अर्थात् रात्रि के बाद दिन आता है। इसी प्रकार जब अत्याचार बढ़ जाते हैं तो कोई पवित्र आत्मा पीड़ित मनुष्यों की रक्षा एवं सहायता करती देखी गई है। ऐसा ही समय औरंगजेब के समय में आया था। उसके अत्याचारों व अन्याय की कथा शब्दों में वर्णन नहीं की जाती है। इतना ही कह सकते हैं कि वह कहीं से भी मनुष्य या इंसान नहीं था। उसने हिन्दुओं पर धर्म के नाम पर भीषण अत्याचार किये व उन्हें यातनायें दी तथा लाखों व करोड़ों की संख्या में उनका धर्म परिवर्तन किया व कराया। उनके समकालीन गुरु तेग बहादुर ने उसके जुल्मों व अत्याचारों को समाप्त कराने के लिये दिल्ली के चांदनी चौक में अपनी शहादत दी थी परन्तु अपना धर्म नहीं बदला था। ऐसे बलिदानों के कारण ही आज भी वैदिक सनातन धर्म का अस्तित्व बना हुआ है। इस सनातन धर्म में घुल—मिल गये अविद्या व अन्धविश्वासों को दूर कर शुद्ध रूप देने का काम ऋषि दयानन्द ने अपने समय में किया था। सिखों के दसवें गुरु गोविन्द सिंह जी ने वैशाखी के दिन 13 अप्रैल, 1699 को श्री केसगढ़ साहिब, आनन्दपुर में हिन्दुओं की साधारण जातियों के लोगों को संगठित कर खालसा पंथ की स्थापना की जिसका लक्ष्य धर्म व परोपकार के लिये तत्पर रहना व मुस्लिम अत्याचारों से हिन्दुओं की रक्षा करना था। सिख गुरुओं सहित वीर बन्दा वैरागी आदि हिन्दू वीरों ने भी मुस्लिम काल में हिन्दू जाति की रक्षा करने का जो साहस व गौरवपूर्ण कार्य किया है उसके लिये सभी महापुरुष श्रद्धा व आदर के पात्र हैं।

सन् 1919 के 13 अप्रैल के दिन जलियांवाला बाग नरसंहार की घटना घटी थी। देश के इतिहास में 13 अप्रैल का दिन एक दुखद घटना के रूप में अंकित है। इस दिन जलियांवाला बाग में रौलेट एक्ट के विरुद्ध एक शांतिपूर्ण सभा के लिए हजारों देशवासी जमा हुए जिन पर अंग्रेज शासकों ने अंधाधुंध गोलियां बरसाई थीं। ये सभी लोग वहां शान्तिपूर्ण सभा करने के लिए एकत्र हुए थे। जलियावाला बाग अमृतसर में ऐतिहासिक स्वर्ण मंदिर के निकट एक बगीचे के रूप में था। यहां अंग्रेजों की गोलीबारी से घबराई बहुत सी स्त्रियां अपने बच्चों को लेकर जान बचाने के लिए कुएं में कूद गईं थी। निकास का रास्ता संकरा होने तथा वहां से पुलिस द्वारा गोली चलाने के कारण कोई व्यक्ति बाहर नहीं जा सकता था। इस कारण भगदड़ हुई जिसमें लोग कुचले गए और हजारों लोग गोलियों की चपेट में आए। यह नरसंहार भारतीय स्वतंत्रता संघर्ष के इतिहास का एक काला अध्याय व सर्वाधिक दुःखद घटना है। इस दिन अमृतसर में कर्फ्यू लगा हुआ था फिर भी सभा में सैंकड़ों लोग ऐसे थे जो बैसाखी के मौके पर परिवार के साथ मेला देखने और शहर घूमने आए थे। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी सभा में सम्मिलित थे। सभा की खबर सुन कर वहां हजारों की संख्या में लोग एकत्रित हो गये थे। जब नेता बाग में भाषण दे रहे थे तभी अंग्रेज अधिकारी जनरल डायर ने बाग से निकलने के सारे रास्ते बंद करवा दिए। बाग में जाने का जो एक रास्ता खुला था, उस रास्ते पर हथियारबंद गाड़ियां खड़ी करवा दी थी। जनरल डायर करीब 100 सिपाहियों के साथ बाग के गेट तक पहुंचा। उसके करीब 50 सिपाहियों के पास बंदूकें थीं। वहां पहुंचकर बिना किसी चेतावनी के उसने गोलियां चलवानी शुरु कर दी। गोलीबारी से डरे भोलेभाले लोग बाग में स्थित एक कुएं में कूदने लगे। गोलीबारी के बाद कुएं से 200 से ज्यादा शव बरामद हुए थे। इससे व्यथित शहीद ऊधमसिंह ने लगभग 21 वर्ष बाद 13 मार्च 1940 को लंदन के कैक्स्टन हॉल में इस घटना के समय ब्रिटिश लेफ्टिनेण्ट गवर्नर मायकल ओड्वायर को अपनी पिस्तौल से गोली चलाकर मार डाला। उन्हें 31 जुलाई 1940 को फांसी पर चढ़ा दिया गया था। देश की आजादी में शहादत किसी ने दी और सत्ता का सुख कुछ गिने चुने लोगों ने भोगा और अपने देश हितों के विपरीत अनेक कामों पर परदा डालने सहित अपने नाम से देश भर में नाना संस्थायें व भवन बनवायें।

बैसाखी पर्व हमें जलियावाला बाग काण्ड की याद दिलाता है। यह उस दिन वहां हताहत सैकड़ों बलिदानियों को याद करने का दिन है। किसानों को इस बैसाखी पर्व के अवसर पर अपना उत्सव मनाना ही चाहिये। इन अन्नदाताओं का भी देश ऋणी है। जो व्यक्ति किसान नहीं है उन्हें किसानों का आभार व्यक्त करना चाहिये। सरकार को इस दिन किसानों की उन्नति व समृद्धि के लिये नयी योजनाओं की घोषणायें व उनका शुभारम्भ करना चाहिये। यह दिन पंजाब के सभी वीर गुरुओं व योद्धाओं को भी स्मरण करने का दिन है जिन्होंने औरंगजेब आदि मुस्लिम शासकों के अत्याचारों से हिन्दू जाति की रक्षा की थी। अनेक राज्यों में यह उनके वर्ष के प्रथम दिन के रूप में आयोजित होता है। इसे परम्परानुसार अन्धविश्वासों से मुक्त होकर हर्षोल्लास से मनाना चाहिये। सबको प्रतिज्ञा लेनी चाहिये कि वह देश की सुख समृद्धि में योगदान करेंगे। सत्तालोलुप प्रवृत्ति के लोगों के मिथ्या प्रचार से प्रभावित नहीं होंगे। सबको सबसे धर्मानुकूल प्रीतिपूर्वक व यथायोग्य व्यवहार करने की प्रतिज्ञा भी लेनी चाहिये जिससे देश व समाज में सत्य अर्थों में अहिंसा की प्रतिष्ठा हो सके। शासन को भी देश में सिर उठा रही अराजक शक्तियों को कुचलने का प्रयत्न करना चाहिये जिससे देश के भोलेभाले लोगों के जान व माल की रक्षा हो सके।

—196 चुक्खूवाला—2, देहरादून—248001, फोनः 9412985121

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली के तत्वावधान में
वीर भरत की जन्म स्थली, मालती नदी के तट पर, हिमालय की सुन्दर पहाड़ियों की तलहटी में

योगीराज ब्रह्म. विश्वपाल जयंत के सान्निध्य व शिक्षाविद् डॉ. अशोक कु. चौहान की अध्यक्षता में

विशाल आर्य युवक निर्माण व व्यक्तित्व विकास शिविर
''योग साधना शिविर''

दिनांक 6 जून 2020 (शनिवार) से रविवार, 14 जून 2020 तक

स्थान: गुरूकुल कण्वाश्रम, डाक. कलालघाटी, कोटद्वार, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड

शिविर उद्घाटन समारोह: शनिवार, 6 जून, प्रातः 11 से 1.00 बजे तक एवं

श्री गोविन्द सिंह भण्डारी एवम् श्री प्रेम प्रकाश शर्मा के कर कमलों द्वारा

भव्य समापन समारोह: रविवार, 14 जून, प्रातः 10 बजे से 1.00 बजे तक

पंहुचने का मार्गः दिनांक 5 जून को रात्री 9 बजे दिल्ली से कोटद्वार की रेल द्वारा या डी.टीसी.,रोड़वेज द्वारा प्रातःकाल आर्य समाज,कोटद्वार पंहुचे वहां से आटो/ग्रमीण सेवा द्वारा लगभग 10 कि.मी. दूर स्थित गुरूकुल पंहुचे। इच्छुक सम्पर्क करें–प्रवीन आर्य–9911404423, धर्मपाल आर्य–9871581398, सौरभ गुप्ता–9971467978, अरूण आर्य–9818530543, युवको हेतु प्रवेश शुल्क 250/– रूपये व योग साधकों हेतु प्रवेश शुल्क 500/– रूपये रहेगा।

हरिद्वार, ऋषिकेश, कण्वाश्रम भ्रमण यात्राः–

शुकवार, 12 जून रात्री दिल्ली से स्पेशल बसें चलेगी जो कि प्रातः हरिद्वार,ऋषिकेश होते हुए शनिवार, 13 जून को गुरूकुल कण्वाश्रम शाम 5 पंहुचेगी तत्पश्चात गुरूकुल में रात्री विश्राम और रविवार, 14 जून को शिविर समापन के बाद दोपहर 2 बजे दिल्ली के लिये वापिस प्रस्थान करेगी ओर रात्री 10 बजे तक दिल्ली पहुंच जाएगी। प्रति सीट–700/– रहेगी ।आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है।

निवेदकः
आनन्द चौहान, संरक्षक   अनिल आर्य, राष्ट्रीय अध्यक्ष   महेन्द्र भाई, राष्ट्रीय महामन्त्री

दिल्ली में विशाल आर्य कन्या शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक/युवती परिषद् दिल्ली के तत्वावधान में ''विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर'' सोमवार 18 मई से रविवार, 24 मई 2020 तक आर्य समाज, पुराना राजेन्द्र नगर, निकट मैट्रो स्टेशन राजेन्द्र पैलेस) में आयोजित किया जा रहा है। सभी बालिकायें रविवार, 17 मई को सायं 5 बजे रिपोर्ट करेगी। इच्छुक सम्पर्क करें– उर्मिला आर्या, प्रान्तीय अध्यक्षा, फोनः 9711161843 व आदर्श सहगल– 9971844325, अनिता कुमार–9999699510, अर्चना पुष्करना– 9899555280.

हापुड़ में आर्य कन्या शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् उ.प्र. के तत्वावधान में ''विशाल आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर'' मंगलवार, 26 मई से रविवार, 31 मई 2020 तक आर्य समाज, हापुड़ में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें– आनन्दप्रकाश आर्य, प्रान्तीय अध्यक्ष, फोनः 9837086799 व नरेन्द्र आर्य, स्वागताध्यक्ष

अलीगढ़ में आर्य युवा शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् जिला अलीगढ़ के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवा निर्माण शिविर'' दिनांक, 13 मई से रविवार, 17 मई 2020 तक टयूबल ग्राउण्ड, बहरावत, अलीगढ़ में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें–कमल आर्य, संयोजकः 9968519292 व रूपेन्द्र आर्य, सहसंयोजक

पलवल में आर्य युवक शिविर

आर्य युवक परिषद् हरियाणा के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक शिविर'' सोमवार, 15 जून रविवार, 21 जून 2020 तक जीवन ज्योति पब्लिक स्कूल, अलीगढ़ रोड़, पलवल, हरियाणा में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें–स्वामी श्रद्धानन्द जी, फोनः 9416267482

बहरोड़ में आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् राजस्थान के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' मंगलवार, 4 मई से रविवार, 8 मई 2020 तक महर्षि दयानन्द योगधाम, बहरोड़, अलवर में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें– रामकृष्ण शास्त्री, प्रान्तीय अध्यक्ष, फोनः 9887669603.

इन्दौर में आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् मध्य प्रदेश के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर ''बुधवार, 27 मई से रविवार, 31 मई 2020 तक गुरू विरजानन्द गुरूकुल, देवधर्म पानी की टंकी के पास, गांधी नगर, इन्दौर में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें– भानुप्रताप वेदालंकार, प्रान्तीय अध्यक्ष, फोनः 9977987777

उड़ीसा में आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् ओडिशा के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' रविवार, 3 मई से रविवार, 10 मई 2020 तक गुरूकुल वैदिक आश्रम, वेदव्यास, राउरकेला–4, जी. सुन्दरगढ़, ओडिशा में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें– आचार्य धनेश्वर बेहरा, प्रान्तीय अध्यक्ष, फोनः 9438441227

हाथरस में आर्य युवक शिविर

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हाथरस के तत्वावधान में ''विशाल आर्य युवक चरित्र निर्माण शिविर'' बुधवार, 27 मई से रविवार, 31 मई 2020 तक नादौन, मडराक, हाथरस, उ.प्र. में आयोजित किया जा रहा है। इच्छुक सम्पर्क करें– भानुप्रताप वेदालंकार, प्रान्तीय अध्यक्ष, फोनः 9977987777

कर्नल अनिल आहुजा व शिक्षाविद् श्री दीनानाथ बत्रा का अभिनन्दन

आर्य महासम्मेलन के अवसर पर लखनऊ से पधारे कर्नल अनिल आहुजा का अभिनन्दन करते अनिल आर्य, प्रवीन आर्या, देवेन्द्र भगत, सुभाष बब्बर (जम्मू) व प्रवीन आर्य (गाजियाबाद), द्वितीय चित्र–रविवार, 8 मार्च 2020, शिक्षा बचाओ आन्दोलन के अध्यक्ष श्री दीनानाथ बत्रा के 90वें जन्मोत्सव पर शुभकामनायें देते सांसद मीनाक्षी लेखी, अनिल आर्य, ममता नागपाल व प्रवीन आर्या।

ऋषि जन्म भूमि टंकारा में आर्य समाज,श्री गंगानगर(राजस्थान) के प्रधान श्री रवि चड्डा,डा.अनुराधा (दिल्ली) आदि के साथ। द्वितीय चित्र–आर्य महासम्मेलन के अवसर पर गुरूकुल पूठ,हापुड़ के आचार्य स्वामी अखिलानन्द जी का अभिनन्दन करते स्वामी आर्यवेश जी व अनिल आर्य।

आर्य समाज,कोटद्वार पंहुची परिषद् की टीम व दुर्गापार्क में कोराना मुक्ति यज्ञ

शनिवार, 14 मार्च 2020,केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली की टीम आर्य समाज,कोटद्वार पंहुची व ग्रीष्मकालीन कण्वाश्रम शिविर का निमन्त्रण दिया । चित्र में प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता,दिल्ली प्रदेश महामंत्री अरूण आर्य,शिवम मिश्रा,सुशील गुप्ता,महेश वर्मा,आनन्दप्रकाश आर्य आदि। छायाकार–अमित सिंह। द्वितीय चित्र–आर्य समाज,दुर्गा पार्क,जनकपुरी,दिल्ली ने पार्क में कोराना मुक्ति यज्ञ किया । आनन्द वर्मा,रेखा राजपूत,चोबसिंह लोधी को बधाई ।

प्रकाशनादि का विवरण फार्म-4

1. प्रकाशन स्थान	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
2. प्रकाशन अवधि	:	पाक्षिक
3. मुद्रक व प्रकाशक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
4. सम्पादक का नाम	:	अनिल कुमार आर्य
क्या भारत का नागरिक है?	:	हाँ
पता	:	आर्यसमाज, टी-176-177, कबीर बस्ती, पुरानी सब्ज़ी मण्डी, दिल्ली-7
5. उन व्यक्तियों के नाम, पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत के हिस्सेदार हों।	:	केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजी.), दिल्ली

मैं अनिल कुमार आर्य एतद् द्वारा घोषित करता हूं कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिये विवरण सत्य हैं।

दिनांक 31-3-2020 **अनिल कुमार आर्य**, प्रकाशक

धरती का स्वर्ग कश्मीर चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा धर्म ट्रिप के सहयोग से ''कश्मीर यात्रा'' का कार्यक्रम बनाया गया है। दिनांक 17 जून से 21 जून 2020 तक। दिल्ली से श्रीनगर हवाई जहाज द्वारा, फिर पहलगांव, गुलबर्ग, हाउसबोट, चश्मेशाही, शालीमार गार्डन, निशान्त गार्डन घूमते हुए वापिसी पर जम्मू ''शिविर समापन'' में भाग लेते हुए रविवार, 21 जून को रात्री दिल्ली वापिस। किराया प्रति सीट–20,800/–।

सम्पर्क करें– 9868168680 व देवेन्द्र भगत– 9958889970

आर्य वीरांगना शिविर ऐमिटी नोएडा में

सार्वदेशिक आर्य वीरांगना दल का राष्ट्रीय शिविर दिनांक 7 जून से रविवार, 14 जून 2020 तक ऐमिटी इन्टरनेशनल स्कूल, सैक्टर–44, नोएडा में आयोजित किया जा रहा है।

इच्छुक बालिकायें सम्पर्क करें –डा. साध्वी उत्तमा यति–9672286863, मृदुला चौहान– 9810702760, आरती खुराना– 9910234595, विमला मलिक– 7289915010

शोक समाचारः विनम्र श्रद्धांजलि

1. प्रि.रमेश कुमारी भारद्वाज (शिक्षा भारती स्कूल, द्वारका) का निधन।
2. श्रीमती सुधा अबरोल (धर्मपत्नि श्री अरूण अबरोल, मुम्बई) का निधन।
3. श्री इन्दुभूषण (पूर्व पार्षद गुरू तेग बहादुर नगर) का निधन।
4. श्रीमती मिनी वधवा (आर्य समाज, पंजाबी बाग एक्स.) का निधन।
5. श्रीमती संजोगता उप्पल (आर्य समाज, सुन्दर विहार) का निधन।
6. श्री हरीशचन्द बंसल (गुरूकुल गौतम नगर) का निधन।
7. श्री हरिप्रकाश त्यागी (आर्य समाज, छतरपुर) का निधन।
8. श्रीमती उर्मिल मेहता (आर्य समाज, विकासपुरी) का निधन।
9. श्री यश आर्य (ग्राम टीला, गाजियाबाद) का निधन।

सम्पादकः **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिटर्स**, 2199/63,नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970